द्विवार्षिक स्नातकोत्तर परीक्षा पाठ्यक्रम

2- Year POST GRADUATE EXAMINATION SYLLABUS

एम्.ए.वास्तुशास्त्र

M.A.-Vastushastra

(Programme Code – MA-VAS)

L.O.C.F.

अधिगम परिणाम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा

2025-2026

(वास्तु विभाग)

वेद-वेदाङ्ग एवं साहित्य सङ्काय

Faculty of Ved Vedang Evam Sahitya

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA

देवास मार्ग, उज्जैन (मध्यप्रदेश) भारत, पिन - 456010, दूरभाष - (0734) 2526044

Email:- regpsvvmp@rediffmail.com, Website:- www.mpsvv.ac.in

परीक्षापाठ्यक्रम नियमावली

1. **पाठ्यक्रम का स्वरूप -**

अधिगम परिणाम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा (LOCF) पर आधारित द्विवार्षिक एम.ए. (वास्तुशास्त्र) परीक्षा (नियमित एवं स्वाध्यायी) का पाठ्यक्रम चार सत्रार्द्धों में विभक्त होगा। पाठ्यक्रम में प्रतिसत्रार्द्ध 5 प्रश्नपत्र होंगे। 5-5 क्रेडिट के चार अनिवार्य प्रश्नपत्र मूल विषय के होंगे। पाँचवें प्रश्नपत्र के रूप में 2 क्रेडिट के **प्रशिक्षुता/सङ्गोष्ठी/मूल्याधारित पाठ्यक्रम** आदि शासन द्वारा जारी अध्यादेश 14 (2) के अनुसार होंगे। छात्रों द्वारा VAC पाठ्यक्रम अन्य विषय से भी चयन किये जा सकेंगे। पाठ्यक्रम में प्रथम 4 प्रश्नपत्रों हेतु पूर्णाङ्क 100 है। जिसमें 40 अङ्कों का आन्तरिक मूल्याङ्कन तथा 60 अङ्कों की सैद्धान्तिक (बाह्य) परीक्षा होगी।

2. प्रवेशनियम

द्विवार्षिक एम.ए.(वास्तुशास्त्र) परीक्षा में निम्नलिखित परीक्षोत्तीर्ण छात्र प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे -

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) त्रिवार्षिक स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।

3. परीक्षायोजना

1. द्विवार्षिक एम.ए.(वास्तुशास्त्र) परीक्षा का माध्यम हिन्दी अथवा संस्कृत होगा। परियोजना प्रतिवेदन/लघुशोधप्रबन्ध की भाषा भी संस्कृत अथवा हिन्दी होगी।

4. प्रश्नपत्रनिर्माणयोजना -

मुख्य पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्न-सङ्ख्या	अङ्क	योग
1	बहुविकल्पकीय	5	1	5
2	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	3	15
3	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	8	40
4	आन्तरिकमूल्याङ्कन			40
योग				100 अङ्क

VAC पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसङ्ख्या	अङ्क	योग
1	बहुविकल्पकीय	5	2	10
2	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	6	30
3	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	12	60
योग				100 अङ्क

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

5. ग्रेडिंगपद्धति-

द्विवार्षिक एम. ए. (वास्तुशास्त्र) परीक्षा में परीक्षाफल प्रकाशन में ग्रेडिंग पद्धति अपनायी जाएगी।

CONVERSION OF MARKS INTO GRADE AND GRADE POINT			
MARKS OBTAINED	GRADE	GRADE POINT	DESCRIPTION
> 90%	O	10	Outstanding
> 80%	A+	9	Excellent
>70%	A	8	Very Good
>60%	B+	7	Good
>50%	B	6	Above Average
>40%	C	5	Average
40%	P	4	Pass
<40%	F	0	Fail
Ab	Ab	0	Absent

Equivalent Percentage= CGPA X 10

The Maximum Marks per paper is fixed at 100

(If it is less or more than 100, convert it into 100 for grading)

Cumulative Grade Point Average

Based on the grades obtained in all the subjects registered for by a student, his or her cumulative Grade point Average Semester Grade Point Average (SGPA) and Cumulative Grade Point Average (CGPA) is calculated as follows:

$$\text{SGPA/CGPA} = \frac{\Sigma\,(\text{No. of credits in Semester}_i * \text{Grade Point in Semester}_i)}{\Sigma\,(\text{No. of Credits in Semester}_i)}$$

SGPA/CGPA is rounded off to the decimal Place.

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

- जो छात्र किसी सत्रार्द्ध के कुछ पाठ्यक्रमों (प्रश्नपत्रों) में अनुत्तीर्ण होते हैं, किन्तु यदि वे सत्रार्द्ध के कुल क्रेडिट (22) का 40% (अर्थात् 9 क्रेडिट) प्राप्त कर लेते हैं, तो उन्हें अनन्तिम रूप से अग्रिम सत्रार्द्ध में प्रोन्नत किया जावेगा तथा अनुत्तीर्ण पाठ्यक्रमों में उन्हें **एटीकेटी** प्राप्त होगी।
- शोध प्रबन्ध/परियोजना/सङ्गोष्ठी को पूर्ण न कर सके अथवा असफल रहे छात्रों को दो सत्रार्द्ध तक इन्हें दोहराने का अवसर मिलेगा। यदि दोनों सत्रार्द्ध में छात्र इन्हें पूर्ण नहीं कर सका, तो वह सम्बन्धित उपाधि का पात्र नहीं होगा।

6. उपलब्ध स्थान –

उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपलब्ध स्थान प्रवेश अधिसूचना द्वारा निर्धारित होंगे। प्रवेश के लिए उपलब्ध स्थानों पर राज्यशासन के नियमानुसार आरक्षण प्रदान किया जाएगा। अधिक प्रवेशार्थी होने की स्थिति में प्रत्येक सत्र में विश्वविद्यालय प्रशासन से स्थानवृद्धि की स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

7. शुल्क -

छात्रों का प्रवेश शुल्क, परीक्षा तथा अन्य विभिन्न गतिविधियों का शुल्क विश्वविद्यालय के सम्बन्धित अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा, जिन्हें समय-समय पर आवश्यक होने पर संशोधित किया जा सकेगा।

8. परीक्षा सञ्चालन एवं उपाधि की पात्रता -

प्रस्तुत पाठ्यक्रम की परीक्षा का सञ्चालन विश्वविद्यालय द्वारा सम्बन्धित अध्यादेशों में विहित प्रावधानों के अनुसार किया जायेगा। उक्त स्नातकोत्तर परीक्षा पूर्ण करने के पश्चात् उत्तीर्ण होने पर **द्विवार्षिक एम्.ए.- वास्तुशास्त्र** की उपाधि प्रदान की जाएगी।

9. अवधि-

अध्यादेश 14 (2) के अनुसार द्विवार्षिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम को **अधिकतम चार वर्षों में पूर्ण करना अनिवार्य है।** द्विवार्षिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम में नामाङ्कित विद्यार्थियों के लिए केवल एक निकास बिन्दु (Exit point) उपलब्ध है। यदि कोई विद्यार्थी सफलतापूर्वक पहला शैक्षणिक वर्ष पूर्ण कर लेता है (44 क्रेडिट अर्जित करके), तो वह कार्यक्रम से बाहर निकल सकता है और उसे **स्नातकोत्तर पत्रोपाधि** प्रदान की जावेगी। **विद्यार्थी बाहर निकलने के बाद अधिकतम दो शैक्षणिक वर्षों के भीतर अपनी स्नातकोत्तर उपाधि पूर्ण करने के लिए पुनः कार्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं।**

10. सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम सञ्चालन- छात्रों द्वारा प्रथम अथवा तृतीय सत्रार्द्ध हेतु सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम चयन किये जाने पर विभागाध्यक्ष द्वारा सम्बद्ध विषय में मुख्य चार पाठ्यक्रमों पर आधारित सङ्गोष्ठी शीर्षकों की विस्तृत सूची जारी की जावेगी, जिन पर कक्षा में विमर्श किया जावे। परीक्षा आन्तरिक मूल्याङ्कन द्वारा सम्पादित की जावेगी। तृतीय सत्रार्द्ध के जो भी छात्र सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम स्वीकार करेंगे, उन्हें उस सत्रार्द्ध की अवधि में राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की न्यूनतम एक सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद में सहभागिता करना अनिवार्य होगा तथा सम्बन्धित सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद का प्रतिवेदन, प्रमाणपत्र एवं शोधपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य रहेगा।

अध्यक्ष
"वास्तु विभाग"
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वेदविश्वविद्यालय,

11. कार्यक्रम योजना

वर्ष/ सत्रार्द्ध		पाठ्यक्रम प्रकार				कुल क्रेडिट
		मुख्य पाठ्यक्रम एवं क्रेडिट			इन्टर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/ सङ्गोष्ठी अथवा VAC (CHM/ EEMC)	
		पाठ्यक्रम स्तर	मुख्य पाठ्यक्रम	क्रेडिट		
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	400	CC-11 वास्तुशास्त्र का इतिहास	5	इन्टर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप अथवा सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		400	CC_12 प्रारम्भिक वास्तुशास्त्र	5		
		400	CC-13 पुरनियोजन	5		
		400	CC-14 वराहमिहिर-वास्तु	5		
	द्वितीय सत्रार्द्ध	400	CC-21 विश्वकर्मा-वास्तु	5	VAC (CHM/ EEMC) (2 क्रेडिट)	22
		400	CC-22 शिल्पशास्त्र	5		
		400	CC-23 भारतीय स्थापत्य कला	5		
		400	CC-24 भवन निर्माण एवं सुरक्षा	5		
टिप्पणी- वर्ष के अन्त में बाहर होने वाले छात्रों को स्नातकोत्तर पत्रोपाधि प्रदान की जाएगी।						
द्वितीय वर्ष विकल्प- 1 (केवल पाठ्यक्रम कार्य)						
द्वितीय वर्ष	तृतीय सत्रार्द्ध	500	CC-31 मय-वास्तु	5	सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-32 भोज-वास्तु	5		
		500	CC-33 देवालय- वास्तु	5		
		500	CC-34 आधुनिक वास्तु योजना	5		
	चतुर्थ सत्रा	500	CC-41 मण्डन-वास्तु	5	VAC (CHM/ EEMC) (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-42 भोज-वास्तु	5		
		500	CC-43 मन्दिर स्थापत्य की शैलियाँ	5		

	द्वि	500	CC-44 व्यवहार वास्तु* अथवा लघुशोधप्रबन्ध	5		
द्वितीय वर्ष विकल्प- 2 (पाठ्यक्रम कार्य एवं शोध कार्य)						
द्वितीय वर्ष	तृतीय सत्रार्द्ध	500	CC-31 मय-वास्तु	5	सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-32 भोज-वास्तु	5		
		500	CC-33 देवालय- वास्तु	5		
		500	CC-34 आधुनिक वास्तु योजना	5		
	चतुर्थ सत्रार्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				22
द्वितीय वर्ष विकल्प- 3 (केवल शोध कार्य)						
द्वितीय वर्ष	तृतीय सत्रार्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				**22**
	चतुर्थ सत्रार्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				**22**

पाठ्यक्रम प्रकार

मुख्य पाठ्यक्रम (Core Course) CC- किसी विषय/कार्यक्रम का अनिवार्य पाठ्यक्रम जिसका उद्देश्य विषय/कार्यक्रम का आवश्यक मौलिक, व्यापक और उन्नत ज्ञान प्रदान करना है।

मूल्य-संवर्धित पाठ्यक्रम (Value-Added Course) VAC - मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम विशिष्ट पाठ्यक्रम होते हैं जो छात्रों को नियमित पाठ्यक्रम से परे, किसी विशिष्ट क्षेत्र में अतिरिक्त कौशल, ज्ञान और विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। ये पाठ्यक्रम छात्रों की रोज़गार क्षमता, करियर की संभावनाओं और व्यक्तिगत विकास को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,

संवैधानिक, मानवीय और नैतिक मूल्य (Constitutional, Human and Moral) CHM- ये 'मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम' हैं जिनका उद्देश्य संवैधानिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्यों तथा बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर शिक्षा एवं अभ्यास प्रदान करना है।

रोजगार एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम (Employability and Entrepreneurship Skill Course) EEMC- रोजगार योग्यता एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम एक ऐसा पाठ्यक्रम है, जिसका उद्देश्य रोजगार योग्यता कौशल को बढ़ाना और प्रमुख व्यक्तिगत विशेषताओं को विकसित करना है, जो रोजगार क्षमता पैदा करने और कार्यस्थल पर प्रभावी प्रदर्शन के लिए तैयार करने के लिए आवश्यक हैं।

प्रशिक्षुता (Internship)- इंटर्नशिप किसी व्यक्ति द्वारा किसी संगठन में काम करने के ढङ्ग को समझने के अतिरिक्त, किसी विशिष्ट कार्य या भूमिका के लिए कौशल योग्यता में सुधार और सीखने के अवसरों के साथ-साथ शोध क्षमताओं का निर्माण करने के लिए भी की जाती है। इंटर्नशिप इस प्रकार आयोजित की जानी चाहिए कि इससे इंटर्न के साथ-साथ इंटर्नशिप प्रदान करने वाले संगठन को भी लाभ हो।

कार्यस्थल के लिए आवश्यक सही दृष्टिकोण के साथ व्यावहारिक अनुभव और अनुभव विकसित करके स्नातकोत्तरों की रोजगार क्षमता में सुधार किया जा सकता है। इंटर्नशिप उन महत्वपूर्ण उपकरणों में से एक है जो इन रोजगार कौशलों को बेहतर बनाने में मदद करते हैं और छात्रों में रोजगार के लिए योग्यता, क्षमता, पेशेवर कार्य कौशल, विशेषज्ञता और आत्मविश्वास पैदा करने और शोध के प्रति रुचि/जुनून विकसित करने में मदद कर सकते हैं। इंटर्न कार्यस्थल में सिद्धांत के अनुप्रयोग को समझ सकते हैं। इंटर्नशिप को मोटे तौर पर दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है-

i. रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए इंटर्नशिप

ii. शोध योग्यता विकसित करने के लिए इंटर्नशिप

शिक्षुता (Apprenticeship) - शिक्षुता प्रशिक्षण किसी भी उद्योग या प्रतिष्ठान में प्रशिक्षण का एक कोर्स है, जो नियोक्ता और शिक्षुओं के बीच शिक्षुता के अनुबंध के अनुसरण में और निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार किया जाता है।

सङ्गोष्ठी (Seminar) – सङ्गोष्ठी गतिविधि आधारित पाठ्यक्रम हैं, जिनमें छात्र सामान्यतः अपनी कक्षा में तैयार किए गए प्रदत्त कार्य (Assignments), परियोजना (Project) / विषय बिन्दु तथा शीर्षक आधारित चर्चा (Theme & Topics) करते हैं।

कुलसचिव
कुलसचिव
कुलपति पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,

द्विवार्षिक एम्.ए.- वास्तुशास्त्र
सत्रार्द्ध परीक्षा पाठ्यक्रम

M.A. Vastushastra Syllabus

(Programme Code – MA-VAS)

प्रथम सत्रार्द्ध

2025-26

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, देवासमार्ग, उज्जैन (म.प्र.) 456010

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com, **अन्तर्जालपुट**- www.mpsvv.ac.in

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : स्नात्तकोत्तर पत्रोपाधि Program : Postgraduate Diploma	कक्षा (Class) : एम.ए द्विवार्षिक (M.A.-02 Years)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : I	सत्र (Session) : 2025-26

विषय (Subject) : वास्तुशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-VAS 11	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC-11) वास्तुशास्त्र का इतिहास प्रथम प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक तृतीय वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. वास्तुशास्त्र का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. भारतीय वास्तुशास्त्र की प्राचीनता एवं व्यापकता का परिचय प्राप्त होगा। 3. समाजोपयोगी विषयों के प्रयोग से छात्र आजीविकोपार्जन में भी समर्थ होंगे। 4. भारतीय वास्तु की ऐतिहासिक समृद्धता से छात्र लाभ प्राप्त करेंगे। 5. भारतीय ज्ञान परम्परा की अवधारणा में वास्तु उदाहरणों को स्पष्ट करने में सक्षम होंगे।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B- Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5
सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)
L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	**भारतीय ज्ञान परम्परा में वास्तुशास्त्र की उत्पत्ति एवं क्रमिकविकास** वास्तुशास्त्र की परिभाषा भेद, उपभेद उत्पत्ति एवं विकास	15

अध्यक्ष
[वास्तु विभाग]
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,

	गतिविधियाँ- 1.भारतीय वास्तुशास्त्र परम्परा एवं विकास विषय पर निबन्ध लेखन 2.वास्तु उत्पत्ति विषय पर भाषण	
2	**वैदिकवाङ्मय में वास्तुशास्त्र** संहिता ग्रन्थों में ब्राह्मणग्रन्थों में सूत्र ग्रन्थों में **गतिविधियाँ-** 1. वैदिक वाङ्मय में वास्तु विषय पर भाषण 2. सूत्रग्रन्थों में वास्तुशास्त्रीय सन्दर्भों की सूची निर्माण करना	**15**
3	**इतिहास एवं पुराण साहित्य में वास्तुशास्त्र** रामायण में महाभारत में अग्नि पुराण, मत्स्यपुराण, गरुड़पुराण, स्कन्दपुराण, विष्णुधर्मोत्तर एवं अन्य पुराणों में **गतिविधियाँ -** 1.महाभारत एवं रामायणकालीन वास्तुशास्त्रीय परम्परा विषय पर निबन्ध लेखन 2.पौराणिक वास्तु विमर्श विषय पर परिचर्चा	**15**
4	**संस्कृतवाङ्मय में वास्तुशास्त्र** अर्थशास्त्र, नाट्यशास्त्र, शुक्रनीति, कालिदास एवं बाणभट्ट साहित्य में वास्तुशास्त्र **गतिविधियाँ -** 1. नाट्यगृहादि अवलोकन 2. कालिदास साहित्य में वर्णित उज्जैन वास्तु दृष्टि से भ्रमण	**15**
5	**वास्तुशास्त्र के प्रसिद्ध आचार्य एवं ग्रन्थ** वास्तुप्रवर्तक आचार्यों की परम्परा विश्वकर्मा, मय, वेदव्यास, भोजदेव, सूत्रधार मण्डन, टोडरमल आदि विश्वकर्माप्रकाश, विश्वकर्मवास्तुशास्त्र, मयमतम्, अपराजितपृच्छा, समराङ्गणसूत्रधार, मानसार, राजवल्लभमण्डन, वास्तुमण्डन, वास्तुसौख्यम् आदि **गतिविधियाँ -** 1.प्रवर्तकाचार्यों के विषय में चर्चा सत्रायोजन 2.वास्तुग्रन्थों का क्रमबद्ध सूची निर्माण	**15**
कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tags) : वास्तुशास्त्रोत्पत्ति, नाट्यगृह, रामायणकालीन वास्तु, महाभारतीय वास्तु, वास्तुप्रवर्तकाचार्य		
भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन **(Part C-Learning Resources)**		

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वेद विश्वविद्यालय

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)
अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री- 1. भारतीय वास्तुशास्त्र का इतिहास, डॉ. विद्याधर, ईस्टर्न बुक लिंकर्स. नई दिल्ली 2. भारतीय ज्योतिष डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली Suggestive digital platforms/ web links-
अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम **Suggested equivalent online courses:** **1. Sanskrit.inira.fr/** **2. learnsanskrit.cc/index** **3.sanskrit.samskrutam.com** **4.swayam.gov.in**
भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि **(Part D-Assessment and Evaluation)**
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100 **सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (**Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks

आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	**कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section **समय**: (Time) : 03.00 **घण्टा** (Hours)	अनुभाग अ – बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A)** : Very Short Questions अनुभाग ब – लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) :** Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C) :** Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : स्नात्तकोत्तर पत्रोपाधि Program : Postgraduate Diploma	कक्षा (Class) : एम.ए द्विवार्षिक (M.A.-02 Years)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : I	सत्र (Session) : 2025-26

विषय (Subject) : वास्तुशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-VAS 12	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC-12) प्रारम्भिक वास्तुशास्त्र द्वितीय प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक तृतीय वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. वास्तुशास्त्र का प्राथमिक एवं प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. वास्तुशास्त्र के आधारभूत सिद्धान्तों का ज्ञान प्राप्त होगा। 3. वास्तु सिद्धान्तों को प्रायोगिक रूप में प्रयोग करने में छात्र सक्षम होंगें। 4. भूमि परीक्षण एवं भूखण्ड चयन सिद्धान्तों को समझने में सक्षम होंगें। 5. भवन निर्माण में देवता विन्यास क्रम को छात्र जान सकेंगे।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B- Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5
सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)
L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	**वास्तुपुरुष की उत्पत्ति, लक्षण एवं भूमि - परीक्षण** 1.वास्तुपुरुष की उत्पत्ति एवं लक्षण 2.भूमि का चयन 3.वास्तु के प्रकार 4. भूमि का परीक्षण 5. भूमि का आकार 6. भूमि का प्लव **गतिविधियाँ-** **1.** शुभाशुभ भूखण्ड आकृतियों का निर्माण **2.** भूमि परीक्षण का प्रायोगिक अध्ययन	15
2	**भारतीय ज्ञान परम्परा में गृहारम्भ की अवधारणा** 1. गृहारम्भ के समय विचारणीय विषय (मुहूर्त आदि) 2. गृहमेलापक विचार (काकिणी, वर्ग)	15

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,

	3. आयव्ययादि विचार 4.शालाध्रुवाङ्क, गृहनामाक्षर, षोडश गृहनाम 5. वृषवास्तुचक्र एवं लग्नशुद्धि **गतिविधियाँ –** 1. आय-व्यय आदि का प्रायोगिक अध्ययन 2. वृषवास्तु चक्र का निर्माण	
3	**भारतीय ज्ञान परम्परा में गृह-अभिविन्यास** 1.एकाशीति पदवास्तुमण्डल 2. चतुःषष्टि वास्तुमण्डल 3.पदानुसार गृहविन्यास 4.द्वार निर्माण 5.जलस्थान का निर्धारण 6. शुभ वृक्ष एवं वनस्पतियाँ **गतिविधियाँ –** 1. एकाशीति- चतुःषष्टि आदि पद विन्यास हेतु आरेख निर्माण 2. गृहवास्तु में शुभाशुभ वृक्ष एवं वनस्पतियों हेतु सूची निर्माण	**15**
4	**भू-शोधन एवं खनन** 1. खनन – विधि 2. वार, राशि, नक्षत्र आदि के अनुसार राहु की स्थिति पर विचार 3. शल्योद्धार 4. नींव में निवेशित वस्तुएँ (गर्भविन्यास) **गतिविधियाँ –** 1. राहुमुख चक्र का प्रायोगिक अध्ययनानुसार खनन दिशा का ज्ञान 2. शिलान्यास का प्रायोगिक अध्ययन	**15**
5	**गृहप्रवेश एवं वेधविचार** 1. गृहप्रवेश विचार 2. गृहप्रवेश मुहूर्त 3.कलशचक्रशुद्धि 4. वास्तुशान्ति 5. वेधविचार **गतिविधियाँ –** 1. गृह प्रवेश एवं गृहशान्ति विधि का प्रायोगिक अध्ययन 2. कलशशुद्धि चक्र का प्रायोगिक अध्ययन	**15**

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tags) : वास्तुपुरुष, पदमण्डल, गृहमेलापक, गृहारम्भ मुहूर्त्त, शल्योद्धार, राहुमुख चक्र।

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. विश्वकर्माप्रकाश, टीकाकार - गणेशदत्त पाठक, श्री ठाकुर प्रसाद पुस्तक भण्डार, वाराणसी
2. बृहद्वास्तुमाला, श्री रामनिहोर द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला, वाराणसी

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Part D-Assessment and Evaluation)		
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100 **सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क** (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks		
आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	**कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section **समय**: (Time) : 03.00 **घण्टा** (Hours)	अनुभाग अ – बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A)** : Very Short Questions अनुभाग ब – लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) :** Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C) :** Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

अध्यक्ष
[वास्तु विभाग]
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : स्नात्तकोत्तर पत्रोपाधि Program : Postgraduate Diploma	कक्षा (Class) : एम.ए द्विवार्षिक (M.A.-02 Years)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : I	सत्र (Session) : 2025-26

विषय (Subject) : वास्तुशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-VAS 13	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC-13) पुरनियोजन तृतीय प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक तृतीय वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. वास्तुशास्त्र का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. भारतीय पुरनिवेश (टाउनप्लानिंग) का ज्ञान प्राप्त होगा। 3. नगर एवं ग्राम विन्यास के मूलभूत सिद्धान्तों का ज्ञान प्राप्त होगा। 4. जलाशय वास्तु के सन्दर्भों को जान सकेंगे। 5. राजभवनादि निर्माण के नियमों को जान सकेंगे।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B- Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5
सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)
L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	**ग्रामनियोजन** **मयमत** अ. 05 मानोपकरण, अ. 09 ग्रामविन्यास **गतिविधियाँ –** 1. हस्तादि मानों का प्रारूप निर्माण 2. माप के आधार पर ग्रामों का प्रायोगिक अध्ययन	15
2	**वास्तुशास्त्रीय नगरनियोजन** **मयमत** अ. 10 नगरविन्यास, **समराङ्गणसूत्रधार** अ. 18- नगरादिसञ्ज्ञा	15

	गतिविधियाँ – 1. नगरादि सञ्ज्ञा हेतु सारिणी निर्माण 2. नगर विन्यास में प्रमुख निर्माण स्थलों की दिशाबद्ध सूची निर्माण	
3	**जलाशय एवम् उद्यान** **विष्णुधर्मोत्तरपुराण** अ. 3/296 जलाशय माहात्म्य, 3/298 जलाशय संरक्षण एवं स्वच्छता, 2/30 वृक्षायुर्वेद, 3/297 वृक्षारोपण माहात्म्य **गतिविधियाँ –** 1. जलाशय प्रारूप एवं चित्र निर्माण 2. किसी जलाशय का प्रायोगिक अध्ययन कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करना।	15
4	**भारतीय ज्ञान परम्परा में पुरप्रबन्धन** **अर्थशास्त्र** अ.1/19 राजभवन निर्माण, 2/1 जनपद स्थापना, 2/2 भूमिप्रबन्धन, 2/3 दुर्गविधान, 2/3 दुर्गनिवेश, 3/8,9,10 गृहवास्तु, कृषिक्षेत्र, मार्ग, चरनोई भूमि प्रबन्धन, 4/3 अग्नि, जल तथा दुर्भिक्ष सम्बन्धी आपदा प्रबन्धन, **आधुनिक पुरप्रबन्धन** **गतिविधियाँ –** 1. दुर्ग एवं राजभवनादि का भ्रमण 2. अग्नि, जल तथा दुर्भिक्ष प्रबन्धन के प्रायोगिक पक्ष को जानने हेतु विविध स्थलों का भ्रमण	15
5	**नगरयोजना का अध्ययन** **प्राचीन नगर** – हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, हस्तिनापुर, कान्यकुब्ज, राजगृह, पाटलिपुत्र, जयपुर आदि **आधुनिक नगर** – चण्डीगढ़, गुरुग्राम, फरीदावाद, कनाट प्लेस, नई दिल्ली आदि **गतिविधियाँ –** 1. विविध नगरों के प्रारूपों एवं मानचित्रों का निर्माण 2. किसी आधुनिक नगर की विन्यास व्यवस्था का प्रायोगिक अध्ययन	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tags) : मानोपकरण, राजभवन, नगर विन्यास, जलाशय वास्तु, दुर्गनिवेश

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. मयमतम्, टीकाकार – शैलजा पाण्डेय, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. मयमतम्, टीकाकार – ब्रूनो डेगेंस, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, वाराणसी
3. भारतीय वास्तुशास्त्र का इतिहास, डॉ. विद्याधर, ईस्टर्न बुक लिंकर्स. नई दिल्ली
4. विष्णुधर्मोत्तर पुराण- टीकाकार आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. कौटिलीय अर्थशास्त्र – टीकाकार वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

2. learnsanskrit.cc/index **3.sanskrit.samskrutam.com** **4.swayam.gov.in**		
भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि **(Part D-Assessment and Evaluation)**		
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100 **सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (**Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks		
आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	**कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** **(**Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section **समय: (**Time) : 03.00 **घण्टा** (Hours)	अनुभाग अ – बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A)** : Very Short Questions अनुभाग ब – लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) :** Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C) :** Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : स्नात्तकोत्तर पत्रोपाधि Program : Postgraduate Diploma	कक्षा (Class) : एम.ए द्विवार्षिक (M.A.-02 Years)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : I	सत्र (Session) : 2025-26

विषय (Subject) : वास्तुशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-VAS 14	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC- 14) वराहमिहिर वास्तु चतुर्थ प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक तृतीय वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. वराहमिहिर वास्तु के प्रमुख सिद्धान्तों का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र का प्राथमिक परिचय प्राप्त होगा। 3. स्वस्तिकादि भवनों के लक्षणों को जानने में सक्षम होंगें। 4. प्रतिमाओं के लक्षण एवं परिमाण को जान सकेंगे। 5. स्वरोजगार में सहायक।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B- Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5
सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)
L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	**भारतीय ज्ञान परम्परा में वराहमिहिर की वास्तुविद्या** **बृहत्संहिता** अ. 53 वास्तुविद्या **गतिविधियाँ –** 1. पदमण्डलों एवं चतुःशालादि गृहों हेतु प्रारूप निर्माण 2. राजगृहादि प्रमाणों हेतु सारिणी निर्माण	15
2	**बृहत्संहिता** अ. 54 दकार्गल, अ. 55 वृक्षायुर्वेद अ. 56 प्रासादलक्षण, अ. 57 वज्रलेपलक्षण	15

	गतिविधियाँ – 1. विविध प्रासाद एवं वृक्षों के नाम हेतु सूची निर्माण 2. वज्रलेप निर्माण विधि का प्रायोगिक	
3	**बृहत्संहिता**- अ. 58 प्रतिमालक्षण, अ. 60 प्रतिमाप्रतिष्ठापन, अ. 84 दीपलक्षण **गतिविधियाँ –** 1.प्रतिमाओं का लक्षण सहित चित्र निर्माण 2.प्रतिमा स्थापन के नियमज्ञान हेतु सूची निर्माण	15
4	**बृहत्संहिता**- अ. 98 नक्षत्रकर्मगुण, अ. 99 तिथिकर्मगुण, अ.100 करणगुण **पञ्चाङ्ग परिचय (जन्मपत्रिका रचना विज्ञान** पुस्तक से) **गतिविधियाँ –** 1. पञ्चाङ्ग के विविध अङ्गों सहित परिभाषा सूचीनिर्माण 2. वास्तु मुहूर्तसाधन प्रायोगिक	15
5	**लघुजातक**- अ.1 राशिबलाध्याय, अ.2 ग्रहबलाध्याय, अ.3 ग्रहमैत्रीविचार, अ.4 ग्रहस्वरूपाध्याय **गतिविधियाँ –** 1. ग्रह एवं राशि परिचय हेतु सारिणी निर्माण 2. राशिस्वरूपों का चित्राङ्न	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tags) : चतुःशाल गृह, प्रतिमा लक्षण, पञ्चाङ्ग परिचय, ग्रहमैत्री विचार, ग्रह स्वरूप।

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. बृहत्संहिता, वराहमिहिर, टीका श्री अच्युतानन्द झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. लघुजातक, वराहमिहिर, टीका श्री कमलाकान्त पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
3. जन्मपत्रिका रचना विज्ञान- सम्पादक डॉ.मनमोहन उपाध्याय, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Part D-Assessment and Evaluation)		
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100 **सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (**Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks		
आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	**कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section **समय: (**Time) : 03.00 **घण्टा** (Hours)	अनुभाग अ – बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A)** : Very Short Questions अनुभाग ब – लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) :** Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C) :** Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

कुलसचिव
कुलसचिव विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

द्विवार्षिक एम्.ए.- वास्तुशास्त्र
सत्रार्द्ध परीक्षा पाठ्यक्रम

M.A. Vastushastra Syllabus

(Programme Code – MA-VAS)

द्वितीय सत्रार्द्ध

2025-26

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, देवासमार्ग, उज्जैन (म.प्र.) 456010

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com, **अन्तर्जालपुट**- www.mpsvv.ac.in

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : स्नात्तकोत्तर पत्रोपाधि Program : Postgraduate Diploma	कक्षा (Class) : एम.ए द्विवार्षिक (M.A.-02 Years)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : II	सत्र (Session) : 2025-26
विषय (Subject) : वास्तुशास्त्र			

1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-VAS 21	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC- 21) विश्वकर्मा वास्तु प्रथम प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से वास्तुशास्त्र विषय में एम.ए. प्रथम सत्रार्द्ध में उतीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. वास्तुशास्त्र में ग्राम विन्यास का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. भारतीय वास्तुशास्त्र के विश्वकर्मा के मत का ज्ञान होगा। 3. दुर्ग एवं भवनों के लक्षणों का ज्ञान प्राप्त होगा। 4. देवप्रासाद, गर्भगृहादि के लक्षणों को जानने में सक्षम होंगे। 5. प्रतिमाओं का वास्तुशास्त्रीय अध्ययन करने में छात्र सक्षम होंगे।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B- Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5
सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)
L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	**विश्वकर्मवास्तुशास्त्र**- अ.07 ग्रामलक्षणकथन, अ 08 खेटादिलक्षण, अ.09 पद्मादिनगरलक्षण, अ. 10 दुर्गलक्षण, **गतिविधियाँ –** 1. ग्राम एवं दुर्गों का शैक्षणिक भ्रमण 2. दुर्ग के विविध भेदों का चित्र द्वारा प्रदर्शन	15

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,

2	**विश्वकर्मवास्तुशास्त्र-** अ.14 भवनलक्षण, अ.15 पूर्वभवनलक्षण, अ.16 न्यायशालालक्षण, अ. 17 पौरदेश्यसभादिकथन, अ.18 भाण्डागारलक्षण, अ.19 अन्तःपुरलक्षण, अ.20 आयुधशालालक्षण **गतिविधियाँ –** 1. भवन के विविध लक्षणों सहित आरेख निर्माण 2. प्राचीन राजसभाओं में शैक्षणिक भ्रमण।	**15**
3	**विश्वकर्मवास्तुशास्त्र** अ. 22 भोजनशालालक्षण, अ. 23 शय्यागृहलक्षण, अ. 24 वसन्तगृहलक्षण, अ. 33 वापीलक्षण, अ. 34 तटाकलक्षण, अ. 40 विद्याशालालक्षण,अ. 49 रंगशालालक्षण **गतिविधियाँ –** 1.वापी के विविध भेदों के प्रारूप निर्माण 2.तालाब एवं कुण्डादि के चित्र निर्माण	**15**
4	**विश्वकर्मवास्तुशास्त्र** अ. 51 ग्रामगृहनिर्माणकथन, अ. 52 चातुर्वर्ण्यगृहलक्षण, अ. 54 सोपानलक्षण, अ.61 सन्धिबन्धकथन, अ.62 आवरणलक्षण, अ. 66 गोशालालक्षण, अ. 68, 69 मार्गलक्षण, अ. 70 मार्गविश्रान्तिलक्षण **गतिविधियाँ –** 1. सोपानों के प्रारूपों का निर्माण 2. ग्राम एवं गृह निर्माण हेतु विविध नियमों का सूची सङ्कलन	**15**
5	**विश्वकर्मवास्तुशास्त्र** अ. 72 देवप्रासादलक्षण, अ. 73 गर्भगृहलक्षण, अ.79 सकल बेरलक्षण, अ. 83 भक्तबेरस्थापनक्रम **गतिविधियाँ –** 1. प्रासाद एवं प्रतिमाओं के आरेख निर्माण 2. गर्भगृह मापन का प्रायोगिक अध्ययन	**15**

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tags) : दुर्ग लक्षण, भवन लक्षण, वापी लक्षण, मार्ग लक्षण, गर्भ लक्षण।

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. विश्वकर्मवास्तुशास्त्र, श्रीकृष्ण जुगनू, परिमल संस्कृत ग्रन्थमाला, दिल्ली

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

3.sanskrit.samskrutam.com **4.swayam.gov.in**		
भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि **(Part D-Assessment and Evaluation)**		
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100 **सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (**Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks		
आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	**कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** **(**Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section **समय: (**Time) : 03.00 **घण्टा** (Hours)	अनुभाग अ – बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A)** : Very Short Questions अनुभाग ब – लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) :** Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C) :** Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : स्नात्तकोत्तर पत्रोपाधि Program : Postgraduate Diploma	कक्षा (Class) : एम.ए द्विवार्षिक (M.A.-02 Years)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : II	सत्र (Session) : 2025-26

विषय (Subject) : वास्तुशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-VAS 22	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC-22) शिल्पशास्त्र द्वितीय प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से वास्तुशास्त्र विषय में एम.ए. प्रथम सत्रार्द्ध में उतीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. वास्तुशास्त्र का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. वास्तुविन्यास एवं मर्मादि का सैद्धान्तिक पक्ष जान सकेंगे। 3. कृषि एवं वास्तु के सम्बन्ध का प्रामाणिक परिचय मिलेगा। 4. वास्तुशास्त्रीय पारिभाषिक कोश तथा गणित का ज्ञान होगा। 5. नागर आदि प्रासाद शैलियों से परिचित होंगे।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B- Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5
सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)
L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	**अपराजितपृच्छा** सू. 38 भारतक्षेत्रपरिचय, सू. 39 वनयात्रा, सू. 40 शिलापरीक्षा, सू. 41 हस्तकम्बी प्रमाण, सू. 42 गणितशब्दनिघण्टू **गतिविधियाँ** – 1. भारत के मानचित्रानुसार स्थानों का अध्ययन 2. वास्तु ग्रन्थों में वर्णित सङ्ख्या वाचक शब्दों का सूचीसङ्कलन	15
2	**अपराजितपृच्छा** सू. 43 ज्योतिषपञ्चाङ्गवासना, सू. 44 अवकहडा ज्योतिष, सू.45 दशादिज्योतिषफल, सू. 46 ज्योतिषलक्षण	15

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत वैदिक विश्वविद्यालय

	गतिविधियाँ – 1. ज्योतिष शास्त्र में अवकहड़ाचक्र निर्माण 2. दशादि निर्धारण का प्रायोगिक अध्ययन	
3	**अपराजितपृच्छा** सू. 47 गणितक्षेत्रनिर्णय, सू. 48 भूपरीक्षा, सू. 49 सूत्रधारपरीक्षा, सू. 50 सूत्रधारलक्षण, सू. 51 भूपरीक्षा तथा कीलकरोपण **गतिविधियाँ –** **1.** भूपरीक्षण का प्रायोगिक अध्ययन **2.** सूत्रधार लक्षण के प्रमुख बिन्दुओं का लेखन	15
4	**अपराजितपृच्छा** सू. 52 कूर्मप्रमाणपदप्रतिष्ठा, सू. 54 वास्तूत्पत्ति, सू. 55 देवतान्यास, सू. 56 देवतानिघण्टु, सू. 59 वास्तुमर्म, सू. 62 वास्तुपरिभ्रमणगुणदोष **गतिविधियाँ –** 1. देवता विन्यास एवं मर्मादि ज्ञान का प्रायोगिक अध्ययन 2. वास्तु विन्यास एवं मर्म विषय पर शोधपत्र लेखन।	15
5	**अपराजितपृच्छा** सू. 69 गृहहर्म्यादिवर्णन, सू. 72 राजपुरनिवेश, सू. 74 वापीकूपतडागादिनिर्णय, सू. 75 शस्यावतार, सू. 77 सभाष्टकवेदीनिर्णय, सू. 84,85 गृहग्रामशोभावर्णन, सू. 107 प्रासादजाति **गतिविधियाँ –** **1.** वापी एवं कूपों के प्रारूप एवं चित्र निर्माण **2.** जलाशय वास्तु विषय पर भाषण	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tags) : शिला परीक्षा, कूर्मप्राणपद प्रतिष्ठा, वास्तु मर्म, प्रासादजाति।

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. अपराजितपृच्छा, श्रीकृष्ण जुगनू, परिमल संस्कृत ग्रंथमाला, दिल्ली

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि
(Part D-Assessment and Evaluation)

महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100 **सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (**Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks		
आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	**कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (**Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section **समय: (**Time) : 03.00 **घण्टा** (Hours)	अनुभाग अ – बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A)** : Very Short Questions अनुभाग ब – लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) :** Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C) :** Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : स्नात्तकोत्तर पत्रोपाधि Program : Postgraduate Diploma	कक्षा (Class) : एम.ए द्विवार्षिक (M.A.-02 Years)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : II	सत्र (Session) : 2025-26

विषय (Subject) : वास्तुशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-VAS 23	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC-23) भारतीय स्थापत्यकला तृतीय प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से वास्तुशास्त्र विषय में एम.ए. प्रथम सत्रार्द्ध में उतीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. वास्तुशास्त्र का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. भारतीय वास्तुशास्त्र की प्राचीनता एवं व्यापकता का परिचय प्राप्त होगा। 3. दक्षिण एवं उत्तर भारत की देवालय शैलियों को जानने में सक्षम होंगे। 4. भारतीय कला इतिहास का ज्ञान होगा। 5. विविध शैलियों से सम्बन्धित निर्माणों को समझने में सहायक	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B- Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5
सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)
L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	**सैन्धव स्थापत्य की भारतीय ज्ञान परम्परा** नगरीय सभ्यता, मुद्रा, मूर्तिकला **गतिविधियाँ –** 1. सैन्धव नगरनियोजन का मानचित्र अध्ययन 2. सैन्धव स्थापत्य स्थलों का भ्रमण।	15
2	**प्राक् मौर्य तथा मौर्यकालीन स्थापत्य** भवन, गुहा, स्तम्भ, मूर्तिकला आदि	15

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,

	गतिविधियाँ – 1. प्राक्मौर्यकालीन स्थापत्य संरचनाओं का अध्ययन 2. मौर्यकालीन संरचनाओं का सर्वेक्षण	
3	**शुङ्ग,सातवाहन तथा कुषाणकालीन स्थापत्य** स्तूप, तोरण, मूर्तिकला आदि **गतिविधियाँ –** 1. साँची तोरण का आरेख निर्माण 2. कुषाणकालीन स्थापत्य विषय पर भाषण	15
4	**गुप्त, उड़ीसा, चन्देल तथा राजपूत स्थापत्य** मन्दिर शैलियों का अध्ययन **गतिविधियाँ –** 1. गुप्तकालीन मन्दिरों का प्रारूप निर्माण 2. किसी पुरातात्विक स्थल का सर्वेक्षण	15
5	**दक्षिण भारतीय स्थापत्य** पल्लव, राष्ट्रकूट, चोल, पाण्ड्य आदि शैलियाँ **गतिविधियाँ –** 1. द्रविड़ विन्यास के मन्दिरों का भ्रमण 2. 'गोपुरम्' की अवधारणा का प्रायोगिक अध्ययन	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tags) : सैन्धव स्थापत्य, गुप्तकालीन स्थापत्य, दक्षिणी स्थापत्य।

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. भारतीय स्थापत्य एवं कला, प्रो उदयनारायण उपाध्याय, प्रो गौतम तिवारी, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि
(Part D-Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks		
आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	**कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section **समय**: (Time) : 03.00 **घण्टा** (Hours)	अनुभाग अ – बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A)** : Very Short Questions अनुभाग ब – लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) :** Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C) :** Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : स्नात्तकोत्तर पत्रोपाधि Program : Postgraduate Diploma	कक्षा (Class) : एम.ए द्विवार्षिक (M.A.-02 Years)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : II	सत्र (Session) : 2025-26
विषय (Subject) : वास्तुशास्त्र			

1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-VAS 24	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC-24) भवननिर्माण एवं सुरक्षा चतुर्थ प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से वास्तुशास्त्र विषय में एम.ए. प्रथम सत्रार्द्ध में उतीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. वास्तुशास्त्र का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. अभियान्त्रिकी तथा वास्तु का सम्बन्ध स्पष्ट होगा। 3. भारतीय वास्तुशास्त्र की प्राचीनता एवं व्यापकता का परिचय प्राप्त होगा। 4. भवन निर्माण की आधुनिक तकनीकों से अवगत होंगे। 5. भवन निर्माण की प्राच्य एवम् आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B- Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5
सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)
L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	**भवन योजना के सिद्धान्त**, क्षेत्र निरीक्षण, मृदा परीक्षण, नींव की उपयोगिता, गहराई, नींवयोजना (काली मिट्टी में, खाई के निकट, मशीनों हेतु) **गतिविधियाँ –** 1. आधुनिक वास्तु संरचनाओं का प्रारूप निर्माण 2. नींव योजना का प्रायोगिक कार्य	15
2	**पारम्परिक निर्माण सामग्री** – परिचय, गुणदोष, प्राप्ति तथा उपयोगिता **विष्णुधर्मोत्तरपुराण** अ. 3/89 दारु परीक्षा, अ. 3/90 शिलापरीक्षा, अ. 3/९१ इष्टिकापरीक्षा, शिला, चूना, लकड़ी तथा ईंट का आधुनिक अध्ययन	15

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

	गतिविधियाँ – 1. भवन निर्माण सामग्री का सूची निर्माण 2. शिला परीक्षण हेतु विविध स्थलों का भ्रमण एवं प्रायोगिक अध्ययन	
3	**आधुनिक निर्माण सामग्री** - परिचय, गुणदोष, प्राप्ति तथा उपयोगिता सीमेंट, सिरेमिक सामग्री (टाइल, टेराकोटा,क्ले ब्लाक), रेत – गारा, सीमेंट – कांक्रीट, कच्चा लोहा, इस्पात, एलुमिनियम, प्लास्टिक आदि **गतिविधियाँ -** 1. आधुनिक वास्तु द्रव्यों की सूची निर्माण 2. आधुनिक भवन संरचनाओं में वास्तुशास्त्रीय सन्दर्भों सहित शोधपत्र लेखन	15
4	***जंग, नमी,जल, दीमक तथा अग्नि से सुरक्षा के उपाय*** **गतिविधि-** 1. वास्तु दोषों सहित निवारणोपायों हेतु सूची निर्माण 2. जंग, नमी जल आदि से प्रभावित स्थलों का सर्वेक्षण कर निवारण हेतु प्रायोगिक कार्य	15
5	***भूकम्परोधिता के उपाय***,*आई. एस. कोड १८९३ (भाग 01) 2002(संरचनाओं के भूकम्परोधी डिजायन के मानदण्ड)* **गतिविधियाँ –** 1. भूकम्परोधी संरचनाओं का प्रारूप निर्माण करना 2. भूकम्परोधी भवन संरचनाओं में प्रयुक्त सामग्री एवं भवन के अनुपात सहित सूचीनिर्माण	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tags) : नींवयोजना, इष्टिकापरीक्षा, कांक्रीट, *आई. एस. कोड १८९३*

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन

(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. Building construction, S.C. rangwala, Charotar publishing hause, Anand
2. Engineering materials, S.C. rangwala, Charotar publishing hause, Anand
3. भूकम्प, श्यामसुंदर शर्मा, ज्ञान गंगा,दिल्ली

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Part D-Assessment and Evaluation)		
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100 **सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क** (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks		
आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : **सतत व्यापक मूल्याङ्कन** (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	**कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section **समय**: (Time) : 03.00 **घण्टा** (Hours)	अनुभाग अ – बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A)** : Very Short Questions अनुभाग ब – लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) :** Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C) :** Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

द्विवार्षिक एम्.ए.- वास्तुशास्त्र
सत्रार्द्ध परीक्षा पाठ्यक्रम

M.A. Vastushastra Syllabus

(Programme Code – MA-VAS)

तृतीय सत्रार्द्ध

2025-26

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, देवासमार्ग, उज्जैन (म.प्र.) 456010

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com, **अन्तर्जालपुट**- www.mpsvv.ac.in

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : स्नात्तकोत्तर पत्रोपाधि Program : Postgraduate Diploma	कक्षा (Class) : एम.ए द्विवार्षिक (M.A.-02 Years)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : III	सत्र (Session) : 2025-26

विषय (Subject) : वास्तुशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-VAS 31	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC-31) मयवास्तु प्रथम प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से वास्तुशास्त्र विषय में एम.ए. द्वितीय सत्रार्द्ध में उतीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. वास्तुशास्त्र का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. द्रविड स्थापत्य का ज्ञान प्राप्त होगा। 3. पदविन्यास के विविध भेदों को जानने में सक्षम होंगे। 4. गर्भविन्यास विधि का प्रायोगिक अध्ययन करने में सक्षम होंगे। 5. दिशासाधन की विधि को समझने एवं प्रायोगिक करने में सक्षम होंगे।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B- Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5
सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)
L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	**मयमत** अ. 06 दिक्परिच्छेद, अ. 07 पदविन्यास, अ. 12 गर्भविन्यास **गतिविधियाँ –** 1. पदविन्यास के विविध स्वरूपों के आरेख निर्माण 2. गर्भविन्यास का प्रायोगिक अध्ययन	15
2	**मयमत** अ. 14 अधिष्ठानविधान, अ. 15 पादप्रमाणद्रव्यपरिग्रहविधान, अ. 19 एकभूमिविधान	15

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

	गतिविधियाँ – 1. अधिष्ठान के विविध प्रारूपों कनिर्माणमा 2. एकभूमि भवनों के आरेख निर्माण	
3	**मयमत** अ. 20 द्विभूमिविधान, अ. 21 त्रिभूमिविधान, अ. 24 गोपुरविधान **गतिविधियाँ –** 1. पञ्चविध गोपुर के चित्रों का निर्माण 2. द्विभूमि एवं त्रिभूमि भवन विषय पर परिचर्चा	15
4	**मयमत** अ. 25 मण्डपसभाविधान, अ. 26 शालाविधान **गतिविधियाँ –** 1. मण्डप निर्माण एवं सज्जा विधि का अध्ययन 2. शालाविधान अनुसार गृह की संरचना के आरेख निर्माण	15
5	**मयमत** अ. 27 चतुर्गृहविधान,अ. 28 गृहप्रवेश, अ. 30 द्वारविधान श्लो. 54 तक **गतिविधियाँ –** 1. गृह प्रवेश एवं द्वार निर्धारण नियमों की सूची निर्माण 2. गृहप्रवेश विधि का प्रायोगिक अध्ययन	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tags) : पदविन्यास, एकभूमिविधान,शालाविधान, द्वारविधान, गृहप्रवेश।

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. मयमत, टीकाकार – शैलजा पाण्डेय, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. मयमत, टीकाकार – ब्रूनो डेगेंस, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, वाराणसी

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम
Suggested equivalent online courses:
1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3.sanskrit.samskrutam.com
4.swayam.gov.in

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि
(Part D-Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100

सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks

विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	**कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section **समय**: (Time) : 03.00 **घण्टा** (Hours)	अनुभाग अ – बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A)** : Very Short Questions अनुभाग ब – लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) :** Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C) :** Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

अध्यक्ष
[वास्तु विभाग]
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : स्नात्तकोत्तर पत्रोपाधि Program : Postgraduate Diploma	कक्षा (Class) : एम.ए द्विवार्षिक (M.A.-02 Years)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : III	सत्र (Session) : 2025-26

विषय (Subject) : वास्तुशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-VAS 32	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC- 32) भोजवास्तु द्वितीय प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से वास्तुशास्त्र विषय में एम.ए. द्वितीय सत्रार्द्ध में उतीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. वास्तुशास्त्र का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. भोज के वास्तुचिन्तन का ज्ञान प्राप्त होगा। 3. भुवन कोश सम्बन्धी वास्तु दृष्टि से अवगत होंगे। 4. भोज के राजनिवेश का प्रामाणिक ज्ञान प्राप्त करेंगे। 5. भवन विन्यास के मर्म स्थलों को जानने में सक्षम होंगे।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B- Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5
सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)
L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	**समराङ्गणसूत्रधार** अ. 01 वास्तु प्रस्तावना, अ. 02 विश्वकर्मा – पुत्र सम्वाद, अ. 03 प्रश्नाध्याय (वास्तुविषयसूची), अ. 04 सृष्ट्योत्पत्ति **गतिविधियाँ -** 1. सृष्टि उत्पत्ति के पैराणिक एवम् आधुनिक सन्दर्भों सहित निबन्धलेखन 2. वास्तु भेदों के चित्र निर्माण	15
2	**समराङ्गणसूत्रधार** अ. 05 भुवनकोष (भूपरिमिति, जम्बूद्वीप वर्णन), अ. 06 वास्तुकर्मोत्पत्ति,	15

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

	अ. 07 वर्णाश्रमधर्म, अ. 08 भूपरीक्षा **गतिविधियाँ –** 1. जम्बूद्वीप का प्रारूप निर्माण 2. भू-परीक्षण का प्रायोगिक अध्ययन	
3	**समराङ्गणसूत्रधार** अ. 09 हस्तादिमान, अ. 10 पुरनिवेश, 11 वास्तुत्रयविभाग **गतिविधियाँ –** 1. हस्तादि निर्माण (स्केल) निर्माण 2. पुर निवेश सम्बन्धित विषय पर लेखन	15
4	**समराङ्गणसूत्रधार** अ. 12 नाडीशिराविकल्प, अ. 13 मर्मभेद, अ. 14 पुरुषाङ्गदेवतानिघण्टु, अ. 15 राजनिवेश **गतिविधियाँ –** 1. मर्म एवं नाडी आदि का चित्राङ्कन 2. राज भवन निर्माण के आरेख निर्माण	15
5	**समराङ्गणसूत्रधार** अ. 16 वनप्रवेश, अ. 19 चतुश्शालविधान (श्लो. 43 तक), अ. 20 निम्नोच्चभूमिफल **गतिविधियाँ –** 1. चतुःशाल गृहों के प्रारूप अथवा चित्र निर्माण 2. भूमि के निम्नोच्च फल की तालिका निर्माण	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tags) : सृष्ट्योत्पत्ति, वर्णाश्रमधर्म, पुरनिवेश, नाडीशिराविकल्प, चतुश्शालविधान।

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. समरांगणसूत्रधार, टीकाकार – श्रीकृष्ण जुगनू, चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि
(Part D-Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100

सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,

विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks		
आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	**कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section **समय**: (Time) : 03.00 **घण्टा** (Hours)	अनुभाग अ – बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A)** : Very Short Questions अनुभाग ब – लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) :** Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C) :** Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : स्नात्तकोत्तर पत्रोपाधि Program : Postgraduate Diploma	कक्षा (Class) : एम.ए द्विवार्षिक (M.A.-02 Years)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : III	सत्र (Session) : 2025-26

विषय (Subject) : वास्तुशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-VAS 33	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC-33) देवालयवास्तु तृतीय प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से वास्तुशास्त्र विषय में एम.ए. द्वितीय सत्रार्द्ध में उतीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. वास्तुशास्त्र का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. प्राचीन धार्मिक वास्तु का विस्तृत ज्ञान मिलेगा। 3. भवन के जीर्णोद्धार सम्बन्धी नियमों का ज्ञान प्राप्त करेंगे। 4. प्रतिमा एवं लिङ्गादि के लक्षणों को जानने में सक्षम होंगे। 5. स्वरोजगार में सहायक।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B- Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5
सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)
L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	**भारतीय ज्ञान परम्परा में प्रासाद निर्माण पद्धति** **प्रासादमण्डन** अ. 01 मिश्रकलक्षण, अ.02 जगतीदृष्टिदोषायतन, अ.04 प्रतिमाशिखरादिलक्षण **गतिविधियाँ –** 1.प्रासादों में विविध प्रतिमाओं एवं शिखरों का अध्ययन 2. प्रासादों के अधिष्ठान (जगती) का प्रायोगिक सर्वेक्षण	15
2	**प्रासादमण्डन** अ. 05 वैराज्यादि प्रासाद, अ. 08 जीर्णोद्धार	15

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,

	गतिविधियाँ - 1. प्रासाद एवं भवनों के जीर्णोद्धार नियमों की सूची निर्माण 2. जीर्णोद्धार योग्य प्रासादों का भ्रमण।	
3	**मयमत** अ. 33 लिङ्गलक्षण, अ. 34 पीठलक्षण, अ. 35 अनुकर्मविधान **गतिविधियाँ –** 1.लिङ्गों के लक्षणों सहित उद्धरणों का अन्वेषण 2.जीर्णोद्धार लक्षणों से युक्त लिङ्गों एवं प्रतिमाओं का सर्वेक्षणात्मक अध्ययन	15
4	**मयमत** अ. 36 प्रतिमालक्षण **गतिविधियाँ –** 1.प्रतिमाओं का लक्षणों सहित चित्राङ्कन 2.प्रतिमाओं का सर्वेक्षण कर प्रतिवेदन निर्माण	15
5	**विष्णुधर्मोत्तर पुराण–चित्रसूत्र** अ. 3/ 35,36,37,39,40,41, 42, 43 **गतिविधियाँ -** 1.पुराणों में वर्णित चित्र एवं प्रतिमा निर्माण के सन्दर्भों का अध्ययन 2.वास्तु अनुसार शुभाशुभ चित्रों की सूची निर्माण	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tags) : प्रतिमाशिखरादिलक्षण, जीर्णोद्धार, लिंगलक्षण, प्रतिमालक्षण।

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. मयमत, टीकाकार – शैलजा पाण्डेय, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. प्रासादमंडन, टीकाकार – श्री कृष्ण जुगनू, परिमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. विष्णुधर्मोत्तर पुराण- टीकाकार आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम
Suggested equivalent online courses:
1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3.sanskrit.samskrutam.com
4.swayam.gov.in

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि
(Part D-Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100

सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks

विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	**कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section **समय**: (Time) : 03.00 **घण्टा** (Hours)	अनुभाग अ – बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A)** : Very Short Questions अनुभाग ब – लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) :** Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C) :** Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : स्नात्तकोत्तर पत्रोपाधि Program : Postgraduate Diploma	कक्षा (Class) : एम.ए द्विवार्षिक (M.A.-02 Years)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : III	सत्र (Session) : 2025-26

विषय (Subject) : वास्तुशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-VAS 34	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC-34) आधुनिकवास्तुयोजना चतुर्थ प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से वास्तुशास्त्र विषय में एम.ए. द्वितीय सत्रार्द्ध में उतीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. वास्तुशास्त्र का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. वास्तुशास्त्र की आधुनिक पद्धतियों का परिचय प्राप्त होगा। 3. द्वार एवं द्रव्य का आधुनिक संरचनाओं से अवगत होंगे। 4. आन्तरिक साज सज्जा सम्बन्धी वास्तु सन्दर्भों को जान सकेंगे। 5. स्वरोजगार में सहायक।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B- Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5
सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)
L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	***मानचित्र निर्माण तथा अध्ययन***- *मानचित्र सङ्केत और चिह्न,भवनों की योजना तथा प्रारूप के नियम, धूप,वायु तथा वर्षा का क्षेत्रीय अध्ययन* **गतिविधियाँ –** 1. मानचित्र निर्माण के शास्त्रीय एवं आधुनिक नियमों का अध्ययन 2. आधुनिक भवन योजनाओं का शास्त्र सम्मत आरेख निर्माण	15
2	*चिनाई (पत्थर तथा ईंट), पार्टीशन, मेहरावनिर्माण योजना तथा प्रकार*	15

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

	गतिविधियाँ – 1. मेहराव निर्माण योजना का प्रायोगिक अध्ययन 2. पार्टिशन के आधुनिक प्रयोगों का सर्वेक्षणात्मक अध्ययन	
3	*फर्श, सीढ़ी, छत निर्माण योजना प्रकार, पलस्तर तथा पुताई* **गतिविधियाँ –** 1. सीढ़ी एवं छतों के विविध स्वरूपों के चित्रों का रेखाङ्कन एवं निर्माण 2. फर्श की विविध संरचनाओं की सूची निर्माण	15
4	*दरवाजे, खिडकियों, रोशनदान, नल, नाली, सेप्टिक टैंक – निर्माणयोजना प्रकार, वाटर हार्वेस्टिंग* **गतिविधियाँ –** 1. दरवाजे, खिड़की आदि के आधुनिक स्वरूपों का रेखाङ्कन एवं प्रारूप निर्माण 2. दरवाजे, खिड़की एवं रोशनदानों के आधुनिक प्रारूपों एवं आरेखों का निर्माण	15
5	*अन्तः सज्जा, उपस्कर (फर्नीचर),विद्युत् व्यवस्था,बागवानी* **गतिविधियाँ –** 1. अन्तः सज्जा एवं बागवानी के निर्माण हेतु प्रारूप निर्माण 2. बागवानी हेतु वास्तुशास्त्रोक्त निर्माण के आरेख निर्माण	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tags) : मानचित्र, पार्टीशन, *वाटर हार्वेस्टिंग, अन्तः सज्जा*

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. Building construction, S.C. rangwala, Charotar publishing hause, Anand
2. Engineering materials, S.C. rangwala, Charotar publishing hause, Anand
3. सिविल इंजीनियरिंग ड्राइंग, आर.एस. मलिक,जी.एस. मेओ, न्यू एशियन पब्लिशर्स,दिल्ली
4. बागवानी कला, प्रभा भार्गव,पुस्तकमहल, दिल्ली

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम
Suggested equivalent online courses:
1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3.sanskrit.samskrutam.com
4.swayam.gov.in

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि
(Part D-Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100

सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks

महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,

विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks		
आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	**कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section **समय**: (Time) : 03.00 **घण्टा** (Hours)	अनुभाग अ – बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A)** : Very Short Questions अनुभाग ब – लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) :** Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C) :** Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

द्विवार्षिक एम्.ए.- वास्तुशास्त्र
सत्रार्द्ध परीक्षा पाठ्यक्रम

M.A. Vastushastra Syllabus

(Programme Code – MA-VAS)

चतुर्थ सत्रार्द्ध

2025-26

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, देवासमार्ग, उज्जैन (म.प्र.) 456010

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com, **अन्तर्जालपुट**- www.mpsvv.ac.in

अध्यक्ष
[वास्तु वि भाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : स्नात्तकोत्तर पत्रोपाधि Program : Postgraduate Diploma	कक्षा (Class) : एम.ए द्विवार्षिक (M.A.-02 Years)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : IV	सत्र (Session) : 2025-26

विषय (Subject) : वास्तुशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-VAS 41	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC-41) मण्डन वास्तु प्रथम प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से वास्तुशास्त्र विषय में एम.ए. तृतीय सत्रार्द्ध में उतीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. वास्तुशास्त्र का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. कुम्भलगढ़ के निर्माता मण्डन के व्यावहारिक वास्तुचिन्तन का परिचय प्राप्त होगा। 3. गृह एवं राजगृहादि निवेशन के सिद्धान्तों का ज्ञान प्राप्त होगा। 4. स्वरोजगार में सहायक।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B- Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5
सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)
L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	**राजवल्लभमण्डन** अ. 01 मिश्रकलक्षण, अ. 02 वास्तुलक्षण अ. 03 आयादिलक्षण **गतिविधियाँ –** 1. आयादि साधन का प्रायोगिक अध्ययन 2. विविध प्रासादजातियों का प्रायोगिक सर्वेक्षण	15
2	**राजवल्लभमण्डन** अ. 05 राजगृहनिवेशादिलक्षण, अ. 09 राजगृहादिलक्षण	15

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

	गतिविधियाँ – 1. राजगृहादि निवेशन का प्रारूप निर्माण 2. राजगृहनिर्माण मापन तालिका का निर्माण	
3	**राजवल्लभमण्डन** अ.10 गणितक्षेत्राद्भुतलक्षण, अ.11 दिनशुध्यादिलक्षण **गतिविधियाँ** – 1. महूर्त साधन का प्रायोगिक अध्ययन 2. तिथ्यादिगणना क्रम में परिचर्चा सत्रायोजन	15
4	**राजवल्लभमण्डन** अ.12 गोचरस्वरशकुनलक्षण, अ. 13 ज्योतिषलक्षण, अ.14 शकुनलक्षण **गतिविधियाँ** - 1. वास्तु कार्य हेतु शकुन लक्षणों की सूची निर्माण 2. शुभाशुभ शकुन विषय पर भाषण	15
5	**वास्तुमण्डन** अ. 04 गृहादिनिवेशन **गतिविधियाँ** – 1. गृह निर्माण में निवेश के विविध सिद्धान्तों को सूचीकरण 2. गृह निर्माण में विविध कक्ष निर्माण हेतु शास्त्रोक्त आरेख निर्माण	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tags) : वास्तुलक्षण, दिनशुद्धि, शकुनलक्षण, गृहादिनिवेशन

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. राजवल्लभमंडन, टीकाकार – श्री कृष्ण जुगनू, परिमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. वास्तुमंडन, टीकाकार – श्री कृष्ण जुगनू, परिमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम
Suggested equivalent online courses:
1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3.sanskrit.samskrutam.com
4.swayam.gov.in

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि
(Part D-Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100

सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks

विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	**कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section **समय**: (Time) : 03.00 **घण्टा** (Hours)	अनुभाग अ – बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A)** : Very Short Questions अनुभाग ब – लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) :** Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C) :** Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : स्नात्तकोत्तर पत्रोपाधि Program : Postgraduate Diploma	कक्षा (Class) : एम.ए द्विवार्षिक (M.A.-02 Years)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : IV	सत्र (Session) : 2025-26

विषय (Subject) : वास्तुशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-VAS 42	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC-42) भोज वास्तु द्वितीय प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से वास्तुशास्त्र विषय में एम.ए. तृतीय सत्रार्द्ध में उतीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. वास्तुशास्त्र का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. राजा भोज के वास्तुज्ञान का प्रामाणिक परिचय प्राप्त होगा। 3. राजा भोज की वास्तुकृतियों का ज्ञान प्राप्त करेंगे। 4. द्वार के विविध गुण दोषों का ज्ञान प्राप्त करेंगे। 5. स्वरोजगार में सहायक।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B- Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5
सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)
L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	**समराङ्गणसूत्रधार** अ. 26 आयव्ययादिज्ञान, अ. 27 सभा -अष्टक, अ. 28 गृहद्रव्यप्रमाण **गतिविधियाँ** – 1. गृह निर्माण में प्रयुक्त द्रव्यों की सारिणी निर्माण 2. आय-व्ययादि का प्रायोगिक अध्ययन	15
2	**समराङ्गणसूत्रधार** अ. 29 शयनासनलक्षण, अ.31 यन्त्राध्याय, अ.34 अप्रयोज्यप्रयोज्यवर्णन	15

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

	गतिविधियाँ – 1. ग्रन्थ में वर्णित यन्त्रों के प्रारूपों का निर्माण 2.ग्रन्थ में वर्णित यन्त्रों के चित्रों का निर्माण	
3	**समराङ्गणसूत्रधार** अ. 35 शिलान्यासविधि, अ. 37 कीलकसूत्रनिपात, 38 वास्तु संस्थान, अ.39 द्वारगुणदोष, अ.41 चयविधि (चुनाई) **गतिविधियाँ –** 1. शिलान्यास का प्रायोगिक अध्ययन। 2. चयविधि के शास्त्रीय एवं आधुनिक सन्दर्भों की सूची निर्माण करना।	15
4	**समराङ्गणसूत्रधार** अ. 42 शान्तिकर्म, अ. 43 द्वारादि भङ्गलक्षण, अ.44 स्थपतिलक्षण, अ. 45 अष्टाङ्गलक्षण, अ. 46 तोरणभङ्गादि शान्तिविधान **गतिविधियाँ –** 1. शान्तिकर्म के विविध सन्दर्भों सहित विधि लेखन 2. तोरण अलङ्करण के आरेख निर्माण एवं प्रायोगिक अध्ययन	15
5	**समराङ्गणसूत्रधार** अ. 47 वेदीलक्षण, अ. 48 गृहदोषनिरूपण, **भोजकालीन वास्तु रचनाएँ** (भोजपुर शिवालय, भोजशाला, भोजताल) **गतिविधियाँ -** 1. भोजपुर, भोजशाला एवं भोजताल आदि का वास्तुशास्त्रीय अवलोकन एवं अध्ययन 2. भोजकालीन वास्तु संरचनाओं का सर्वेक्षणात्मक अध्ययन	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tags) : गृहद्रव्यप्रमाण, अप्रयोज्यप्रयोज्यवर्णन, द्वारादि भङ्गलक्षण, गृहदोषनिरूपण

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. समरांगणसूत्रधार- टीकाकार – श्रीकृष्ण जुगनू, चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
2. राजा भोज- डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित, पब्लिकेशन स्कीम,जयपुर

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Part D-Assessment and Evaluation)		
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100 **सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क** (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks		
आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	**कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section **समय**: (Time) : 03.00 **घण्टा** (Hours)	अनुभाग अ – बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A)** : Very Short Questions अनुभाग ब – लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) :** Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C) :** Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : स्नात्तकोत्तर पत्रोपाधि Program : Postgraduate Diploma	कक्षा (Class) : एम.ए द्विवार्षिक (M.A.-02 Years)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : IV	सत्र (Session) : 2025-26

विषय (Subject) : वास्तुशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-VAS 43	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC-43) मन्दिर स्थापत्य की शैलियाँ (इतिहास तथा वास्तु योजनाओं का अध्ययन) तृतीय प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से वास्तुशास्त्र विषय में एम.ए. तृतीय सत्रार्द्ध में उतीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. वास्तुशास्त्र का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. भारतीय वास्तुकला की विभिन्न शैलियों का ज्ञान प्राप्त होगा। 3. काश्मीर एवं द्राविड़ादि शैलियों की विविध संरचनाओं को जान सकेंगे। 4. स्वरोजगार में सहायक।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

Part B- Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5

सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)

L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	गुप्त, उडीसा,चन्देल तथा ग्वालियर शैली **गतिविधियाँ –** 1. गुप्त एवं ग्वालियर शैली के देवालयों का चित्राङ्कन 2. विविध शैलियों से सम्बन्धित विषयाधारित सङ्गोष्ठी	15
2	राजपुताना, मध्यभारत, राजस्थानी जैन, गुजरात, पूर्वी भारत, वृन्दावन तथा काश्मीर शैली	15

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

	गतिविधियाँ – 1. मध्यभारत, गुजरात एवं काश्मीर शैली के देवालयों की विशेषताओं सहित आरेख निर्माण 2. पूर्वी भारत की वास्तु संरचनाओं पर शोधपत्र लेखन	
3	चालुक्य तथा होयसल शैली **गतिविधियाँ –** 1. उपरोक्त शैली के देवालयों की सूची निर्माण 2. होयसल एवं चालुक्य स्थापत्य आधारित परिचर्चा	15
4	पल्लव तथा चोल शैली **गतिविधियाँ –** 1. पल्लव शैली के देवालयों की सूची निर्माण 2. चोल शैली के देवालयों के आरेख निर्माण	15
5	राष्ट्रकूट, पाण्ड्य, विजयनगर तथा मदुरै शैली **गतिविधियाँ –** 1. राष्ट्रकूट, पाण्ड्य, विजयनगर शैली के देवालयों की सूची निर्माण कर चित्राङ्कन अथवा प्रारूप निर्माण 2. मदुरै शैली में निर्मित किसी देवालय का प्रायोगिक अध्ययन	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tags) : ग्वालियर शैली, काश्मीर शैली, होयसल शैली, मदुरै शैली

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. समराङ्गणसूत्रधार- टीकाकार – श्रीकृष्ण जुगनू, चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
2. राजा भोज- डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित, पब्लिकेशन स्कीम,जयपुर

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम
Suggested equivalent online courses:
1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3.sanskrit.samskrutam.com
4.swayam.gov.in

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि
(Part D-Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100

सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks

विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	**कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section **समय**: (Time) : 03.00 **घण्टा** (Hours)	अनुभाग अ – बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A)** : Very Short Questions अनुभाग ब – लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) :** Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C) :** Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : स्नात्तकोत्तर पत्रोपाधि Program : Postgraduate Diploma	कक्षा (Class) : एम.ए द्विवार्षिक (M.A.-02 Years)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : IV	सत्र (Session) : 2025-26

विषय (Subject) : वास्तुशास्त्र

1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-VAS 44	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC-44) व्यवहार वास्तु चतुर्थ प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय से वास्तुशास्त्र विषय में एम.ए. तृतीय सत्रार्द्ध में उतीर्ण छात्र प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. वास्तुशास्त्र का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. भारतीय वास्तुशास्त्र की व्यावहारिकता का परिचय प्राप्त होगा। 3. आवासीय,औद्योगिक एवं जलाशय वास्तु का शास्त्रीय ज्ञान प्राप्त होगा। 4. भारतीय ज्ञान परम्परा एवं संस्कृति के आलोक में वास्तुशास्त्र का ज्ञान प्राप्त होगा। 5. स्वरोजगार में सहायक।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B- Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5
सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)
L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	**वास्तुमण्डन** अ. 07 दूषणभूषण **वास्तुरत्नाकर** अ. 06 गृहोपकरण **गतिविधियाँ –** 1. गृह उपकरणों की सूची निर्माण 2. वास्तु दोषों का सूचीबद्ध निर्माण	15
2	आवासीय, औद्योगिक तथा व्यावसायिक योजनाओं का अध्ययन एवं वास्तुदोषोपचार (शास्त्रीय, क्षेत्रीय, आधुनिक, फेंगशुई)	15

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

	गतिविधियाँ – 1. आवासीय वास्तु हेतु विविध मापों में मानचित्र निर्माण 2. विदेशी वास्तु सभ्यताओं में से किन्हीं पाँच वास्तु संरचनाओं का आरेख निर्माण	
3	**क्षेत्रीय वास्तुपरम्पराओं के कारक** भौगोलिक तथा प्राकृतिक (यथा हिमाचल में लकड़ी के घर,असम में बाँस के घर) धार्मिक (इस्लामी मुग़ल स्थापत्य) सांस्कृतिक (आदिवासी घर) **गतिविधियाँ –** 1. हिमाचल, असम एवं आदिवासी घरों के प्रारूप अथवा आरेख निर्माण 2. मुगल शैली में निर्मित भवनों का चित्राङ्कन	15
4	***विदेशी स्थापत्य का भेदोपभेद सहित परिचय*** *मिस्र, बेबीलोन,मेसापोटामिया, अरब, रोम, ब्रिटिश तथा फ्रांस आदि* **गतिविधियाँ –** 1. विदेशी भवन शैलियों के सन्दर्भ सहित चित्रावलोकन एवं निर्माण 2. ब्रिटिश एवं फ्रांस वास्तु संरचनाओं की निर्माण पद्धति पर आधारित लेखन	15
5	***वास्तु नियमों का वैज्ञानिक अध्ययन*** ***वास्तु नियमों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन*** ***वास्तुनियमोल्लंघन के दुष्परिणामों का अध्ययन*** (यथा गुजरात भूकम्प तथा केदारनाथ त्रासदी में अधिक जनहानि, कोणार्क मन्दिर का टूटना, मुंबई बाढ़, ट्रैफिक जैम) **गतिविधियाँ –** 1. वास्तु के शास्त्रीय एवं आधुनिक नियमों की तुलनात्मक सूची का निर्माण 2. कोणार्क सूर्य मन्दिर का वास्तुशास्त्रीय विश्लेषण विषयाधारित लेखन	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tags) : गृहोपकरण, सांस्कृतिक (आदिवासी घर), कोणार्क मन्दिर, गुजरात भूकम्प

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. Building construction, S.C. rangwala, Charotar publishing hause, Anand
2. Engineering materials, S.C. rangwala, Charotar publishing hause, Anand
3. सिविल इंजीनियरिंग ड्राइंग, आर.एस. मलिक, जी.एस. मेओ, न्यू एशियन पब्लिशर्स,दिल्ली
4. भारत का भूगोल,माजिद हुसैन .mcgraw hill, Chennai

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

अध्यक्ष
वास्तु विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

3.sanskrit.samskrutam.com **4.swayam.gov.in**		
भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि **(Part D-Assessment and Evaluation)**		
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100 **सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क** (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks		
आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	**कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section **समय:** (Time) : 03.00 **घण्टा** (Hours)	अनुभाग अ – बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A)** : Very Short Questions अनुभाग ब – लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) :** Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C) :** Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		